Raj Express (Indore), 03rd August 2025, Page-04

शिक्षा जगत और उद्योग के मध्य में मजबूत संबंध बनाने पर है ध्यान

आईआईटी इंदौर के माइक्रो 3 डी प्रिंटिंग इनोवेशन का लाइसेंस वीफ्यूज मेटल को दिया गया

● इंदौर/ राज न्यूज नेटवर्क

आईआईटी इंदौर ने अपनी एडवांस्ड माइक्रो-एडिटिव मैन्युफैक्चरिंग तकनीक का लाइसेंस वीफ्यूज मेटल प्राइवेट लिमिटेड को देकर अनुसंधान को वास्तविक दुनिया के समाधान में बदलने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाया। यह साझेदारी इस बात का एक मजबूत उदाहरण है कि कैसे शैक्षणिक नवाचार उद्योग को लाभांवित कर सकते हैं और आत्मनिर्भर भारत पहल के तहत देश की आत्मनिर्भरता के लिए प्रयास का समर्थन कर सकते हैं। इस तकनीक को वीफ्यूज मेटल प्राइवेट लिमिटेड को ट्रांसफर करके, आईआईटी इंदौर शिक्षा जगत और उद्योग के बीच मजबूत संबंध बनाने पर अपना ध्यान केंद्रित कर रहा है। संस्थान देशभर में टेक्नोलॉजी ट्रांसफर में अग्रणी भूमिका निभाने और नवाचार-आधारित उद्यमिता को

प्रोत्साहित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

एलडीटी आधारित म्यू-3 डी प्रिंटर तकनीक: लेजर डेकल ट्रांसफर (एलडीटी) आधारित द्व-३ष्ठ (म्यू-3 डी) प्रिंटर नामक यह तकनीक आईआईटी इंदौर के मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग के शोधकर्ताओं द्वारा विकसित की गई है। इस टीम में प्रोफेसर पलानी इयंपेरुमल आनंद, प्रोफेसर विपुल सिंह, डॉ. अंशु साहू और श्रीकृष्ण तोमर शामिल हैं। इस अनूठी प्रणाली के माध्यम से थिन-फिल्म फीडस्टॉक का उपयोग करके अत्यधिक सटीक माइक्रो 3-डी प्रिंटिंग का कार्य किया जा सकता है, जिससे विशेष मटेरियल एफीसियेंसी प्राप्त होती है।

हमारे नवाचार समाज में डाले वास्तविक प्रभाव

आईआईटी इंदौर के निदेशक प्रोफेसर सुहास एस. जोशी ने कहा, यह टेक्नोलॉजी ट्रांसफर अनुसंधान के स्तर को आगे बढ़ाने और यह सुनिश्चित करने के लिए आईआईटी इंदौर की प्रतिबद्धता को दर्शाता है कि हमारे नवाचार समाज में वास्तविक प्रभाव डालें। हमें यह देखकर गर्व हो रहा है कि हमारे संकाय सदस्य का शोध कार्य प्रयोगशाला से उद्योग की ओर बढ़ रहा है। अनुसंधान एवं विकास के अधिष्ठाता, प्रोफेसर अभिरूप दता ने कहा, यह सहयोग दर्शाता है कि अनुसंधान और नवाचार में केंद्रित प्रयास कैसे मजबूत उद्योग साझेदारियों का मार्ग प्रशस्त कर सकते हैं। हम आईआईटी इंदौर की अत्याधुनिक तकनीकों को मूल्यवान व्यावसायिक समाधानों में बदलने के लिए निरंतर प्रयास कर रहे हैं।

उद्योगों के लिए मूल्यवान उपकरण

3-डी प्रिंटर कई तरह के अनुप्रयोगों के लिए उपयुक्त है, जिनमें माइक्रो-इलेक्ट्रॉनिक्स, बायोमेडिकल उपकरण, फ्लैकसिबल वियरेबल तकनीक, महत्वपूर्ण क्षेत्रों में उपयोग किए जाने वाले सेंसर और उन्नत विनिर्माण शामिल हैं। माइक्रोन पैमाने पर संरचनाएं बनाने की इसकी क्षमता इसे सटीकता की मांग करने वाले उद्योगों के लिए एक मूल्यवान उपकरण बनाती है।